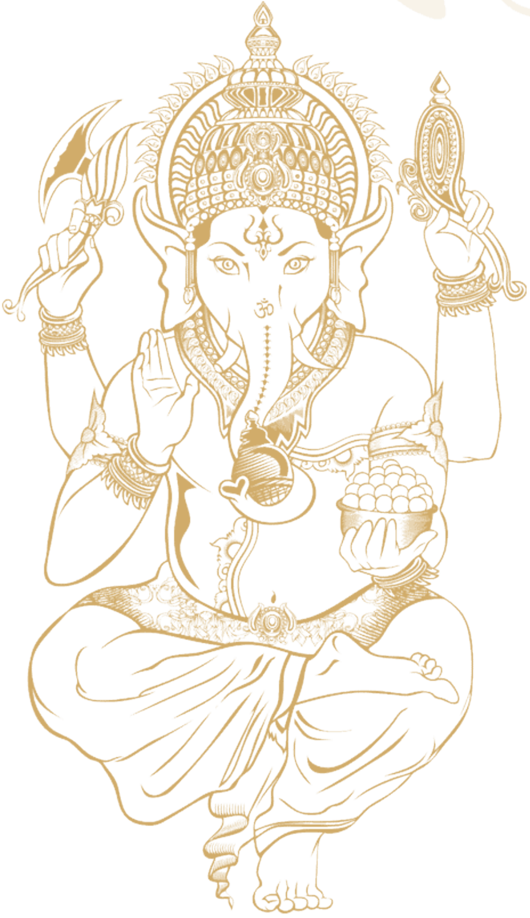

Ch.Sanny

Ku.Kanya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121126701

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/03/1993	जन्म तिथि	13/08/2003
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 22:15:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 40:01:32	जन्म समय(घटी)	21:43:30 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Gwalior
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:23	सूर्योदय	05:48:35
18:31:41	सूर्यास्त	18:55:35
23:46:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:15
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	कुम्भ
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
कृतिका	नक्षत्र	शतभिषा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	2
प्रीति	योग	अतिगण्ड
बव	करण	तैतिल
इ-ईश्वर	जन्म नामाक्षर	सा-सपना
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	अश्व
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
गरूड़	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 6मा 25दि	
राहु	
21/10/2013	
22/10/2031	
राहु	03/07/2016
गुरु	27/11/2018
शनि	03/10/2021
बुध	21/04/2024
केतु	10/05/2025
शुक्र	10/05/2028
सूर्य	03/04/2029
चन्द्र	03/10/2030
मंगल	22/10/2031

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
03:03:03	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	20:13:23
13:15:36	मीन	सूर्य	कर्क	26:18:48
02:04:09	वृष	चंद्र	कुंभ	10:53:27
23:02:54	मिथु	मंगलव	कुंभ	14:47:16
17:43:17	कुंभ	बुध	सिंह	23:39:14
16:23:33	कन्या व	गुरु	सिंह	03:02:25
21:02:27	मीन व	शुक्र	कर्क	24:49:52
02:24:35	कुंभ	शनि	मिथु	14:51:41
20:35:45	वृश्चि व	राहु व	वृष	01:30:25
20:35:45	वृष व	केतु व	वृश्चि	01:30:25
28:03:12	धनु	हर्ष व	कुंभ	07:22:22
27:11:45	धनु	नेप व	मक	17:38:43
01:31:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:23:49

विंशोत्तरी	
राहु 12वर्ष 3मा 17दि	
गुरु	
30/11/2015	
30/11/2031	
गुरु	17/01/2018
शनि	30/07/2020
बुध	05/11/2022
केतु	12/10/2023
शुक्र	12/06/2026
सूर्य	31/03/2027
चन्द्र	30/07/2028
मंगल	06/07/2029
राहु	30/11/2031

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:46:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:15

लग्न-चलित

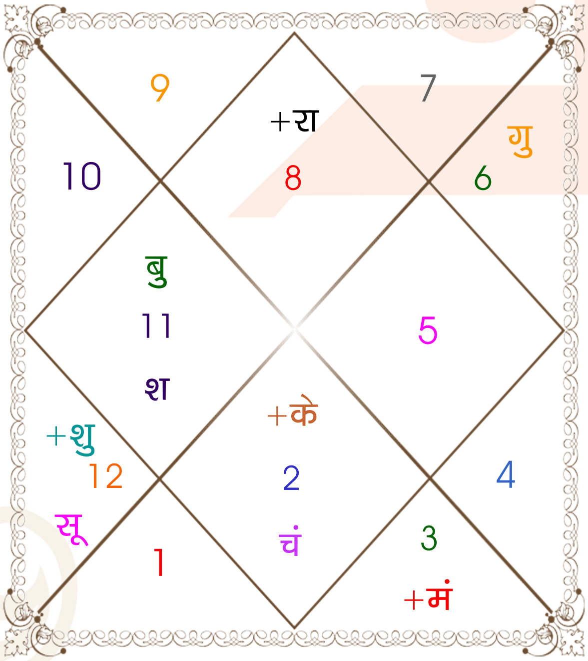

लग्न-चलित

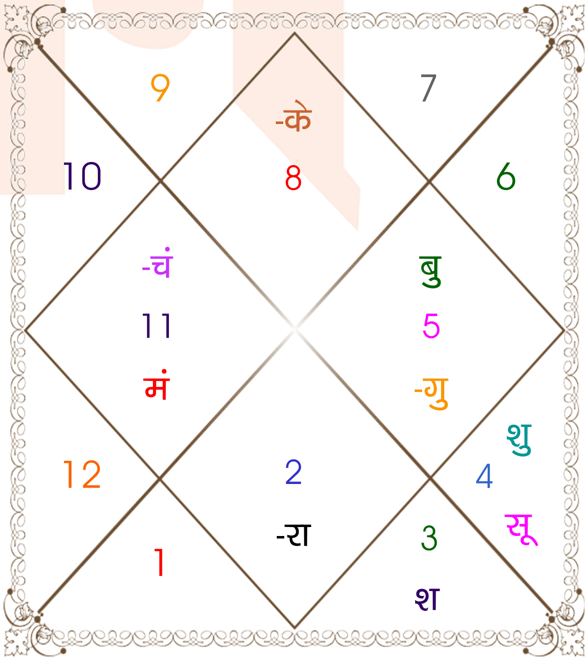

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.50		

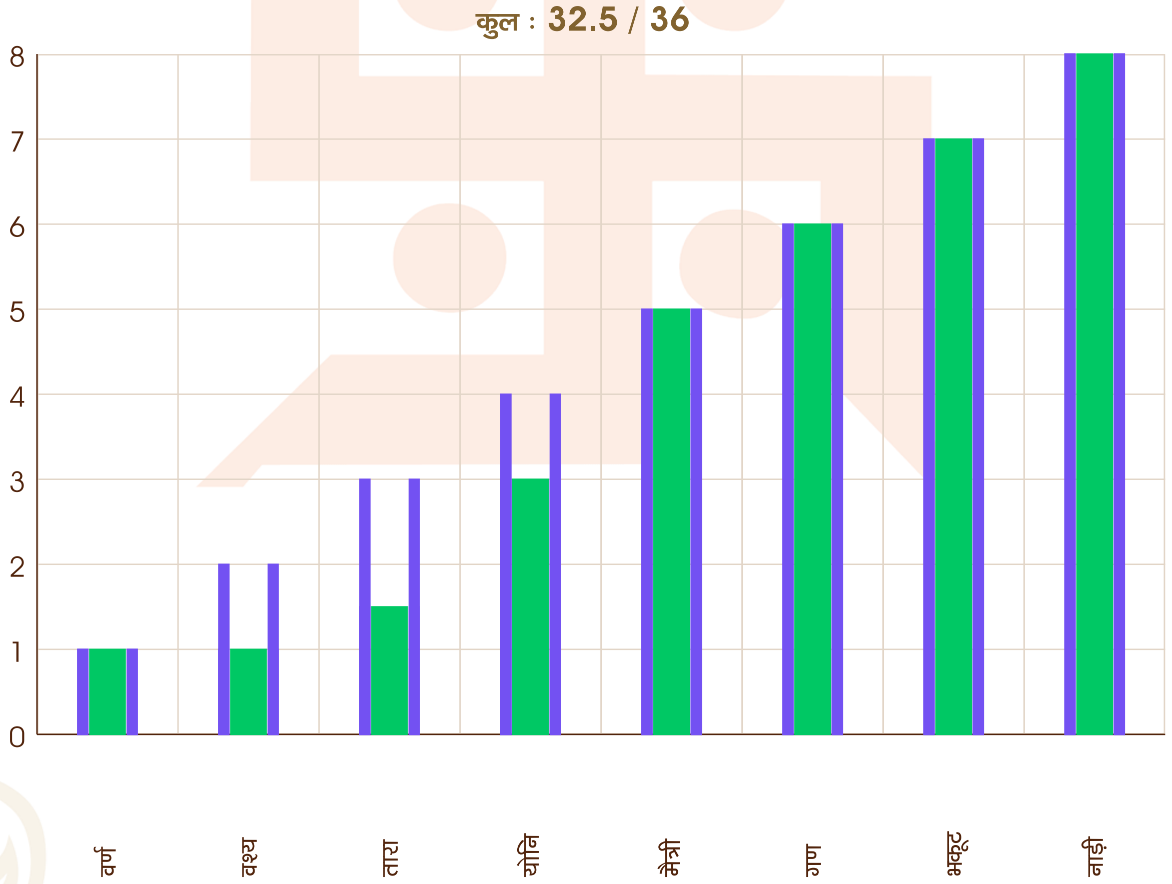

अष्टकूट मिलान

Ch.Sanny का वर्ग गरुड़ है तथा Ku.Kanya का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ch.Sanny और Ku.Kanya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ch.Sanny मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ku.Kanya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ku.Kanya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ku.Kanya कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ch.Sanny कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ch.Sanny तथा Ku.Kanya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ch.Sanny का वर्ण वैश्य है तथा Ku.Kanya का वर्ण शूद्र है। इसमें Ku.Kanya का वर्ण Ch.Sanny के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ku.Kanya अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ku.Kanya हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Ch.Sanny का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ku.Kanya का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Ch.Sanny एवं Ku.Kanya एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Ku.Kanya क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Ch.Sanny की तारा वध तथा Ku.Kanya की तारा क्षेम है। Ch.Sanny की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ch.Sanny बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Ch.Sanny को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ku.Kanya लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Ch.Sanny की योनि मेष है तथा Ku.Kanya की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ch.Sanny एवं Ku.Kanya दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Ch.Sanny एवं Ku.Kanya के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Ch.Sanny एवं Ku.Kanya जीवन की हर ख़ुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Ch.Sanny का गण राक्षस है तथा Ku.Kanya का गण भी राक्षस है। अर्थात Ku.Kanya का गण Ch.Sanny के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Ch.Sanny एवं Ku.Kanya दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Ch.Sanny से Ku.Kanya की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ku.Kanya से Ch.Sanny की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Ch.Sanny एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही ख़ुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ku.Kanya को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं ख़ुशी प्राप्त होगी। Ku.Kanya हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Ch.Sanny की नाड़ी अन्त्य है तथा Ku.Kanya की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Ch.Sanny की अन्त्य नाड़ी तथा Ku.Kanya की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ch.Sanny की राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Ku.Kanya की राशि वायुतत्व युक्त है। भूमितत्व एवं वायुतत्व में यद्यपि असमानताएं अधिक होती है तथापि अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृति के कारण ये न्यूनाधिक मात्रा में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहते है।

Ch.Sanny का राशि स्वामी शुक्र तथा Ku.Kanya का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता का भाव रखते है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव होगा। जिससे दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता तथा शांति बनी रहेगी एवं एक दूसरे के सुख सहयोग का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा परस्पर भावनाओं का आदर करके उन्हें पूर्ण करने में तत्पर रहेंगे।

Ch.Sanny तथा Ku.Kanya की राशि परस्पर चतुर्थदशम में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य जीवन में सुख संसाधनों एवं मधुर संबधों में वृद्धि होगी। Ch.Sanny के भावनात्मक संकेत से ही अंतर्मन में Ku.Kanya को उनके प्रति आकर्षण के लिए प्रवृत करेंगी। साथ ही दोनों एक दूसरे के गुणों से प्रभावित होंगे तथा सम्मान भी करेंगे। इस प्रकार Ch.Sanny और Ku.Kanya का जीवन सुख एवं समृद्धि से युक्त व्यतीत होगा।

Ch.Sanny का वश्य चतुष्पद तथा Ku.Kanya का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः Ch.Sanny और Ku.Kanya की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सनतुषट रखने मे असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता मे न्यूनता आएगी।

Ch.Sanny का वर्ण वैश्य तथा Ku.Kanya का वर्ण शूद्र है। Ch.Sanny की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वाणिज्य बुद्धि से कार्यो में प्रवृत रहेगे लेकिन Ku.Kanya की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी से सम्पन्न करने में रहेगी। अतः Ch.Sanny की बुद्धि एवं Ku.Kanya के परिश्रम से कार्य क्षेत्र मे उन्नति के कारण आर्थिक रूप से ये सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Ch.Sanny और Ku.Kanya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Ch.Sanny अन्त्य तथा Ku.Kanya आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का Ch.Sanny और Ku.Kanya दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से Ku.Kanya गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही Ch.Sanny को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Ch.Sanny और Ku.Kanya दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ch.Sanny और Ku.Kanya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ch.Sanny और Ku.Kanya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ku.Kanya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ku.Kanya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ku.Kanya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ch.Sanny और Ku.Kanya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ch.Sanny और Ku.Kanya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ku.Kanya के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ku.Kanya भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी

गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ku.Kanya भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ku.Kanya को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Ch.Sanny की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Ch.Sanny सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Ch.Sanny ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Ch.Sanny के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।